मन में जप श्री राम रे बन्दे | By Mukesh Bagda |

मन में जप श्री राम रे बन्दे,
रोज सुबह और शाम,
ये हनुमत का कहना,
ले ले जो ये नाम प्रभु जी,
उसके बनाए काम,
ये हनुमत का कहना।

शबरी की भक्ति न्यारी,
तरसे दर्श को बेचारी,
राम खुद ही आ गए-
देख मनुहार को,शबरी के प्यार को,
झूठे बेर खा गए-
जपति जप्ति राम राम वो,
वो पहुंची उनके धाम,
ये हनुमत का कहना,
मन में जप श्री राम रे बन्दें,
रोज सुबह और शाम,
ये हनुमत का कहना।

नल नील दोनों भाई,
ऐसी एक शक्ति पाई,
करिश्मा दिखा दिया-
पत्थर थे भारी अजूबे,
फेंके पानी में ना डूबे,
पुल ही बना दिया-
रहे पत्थर ना वो आम,
कि उनपे लिख दिया था श्रीराम,
ये हनुमत का कहना,
मन में जप श्री राम रे बन्दें,
रोज सुबह और शाम,
ये हनुमत का कहना।

विभीषण का भाग्य जगाया,
सुग्रीव मित्र बनाया,
ये तो सभी जाने है-
नाम की है महिमा भारी,
राम की है महिमा सारी,
देव भी ये माने है-
सौंप दे जीवन आज के 'पन्ना',
गिरे तो ले तुझे थाम,
ये हनुमत का कहना,
मन में जप श्री राम रे बन्दें,
रोज सुबह और शाम,
ये हनुमत का कहना।

मन में जप श्री राम रे बन्दे,
रोज सुबह और शाम,

ये हनुमत का कहना,
ले ले जो ये नाम प्रभु जी,
उसके बनाए काम,
ये हनुमत का कहना।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%9c%e0%a4%aa-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a5%87-by-2/